
दिवाली का उपहार


दीपावली, दिन 1
TAXI
कृपया मेरी बात समझिये। मेरी कम्पनी का दिवाली निकल गया है।
मेरे पास बिल चुकता करने के लिये एक पैसा भी नहीं है।


मेरे ऊपर परिवार की जिम्मेदारी है।
और आज दीवाली का दिन है।
ये तुम्हारी समस्या है, मेरी नहीं।
ड्डSSSम!


अब हमारा क्या होगा?

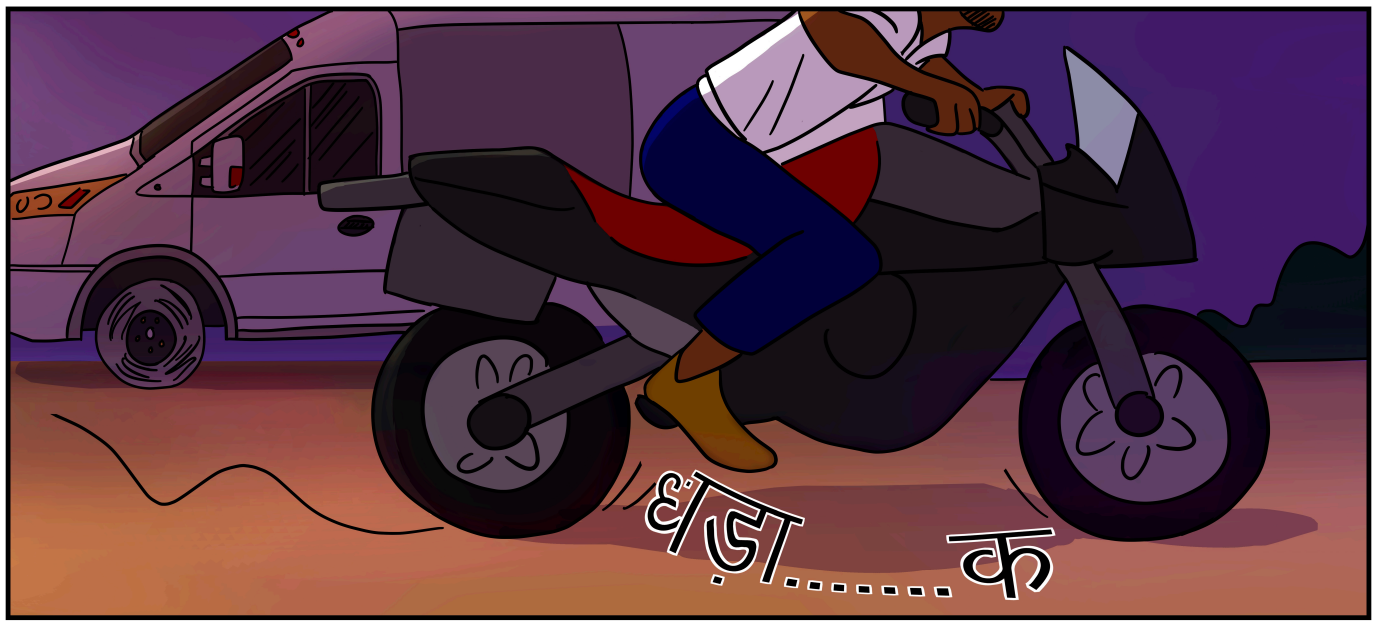
धड़ा.....क

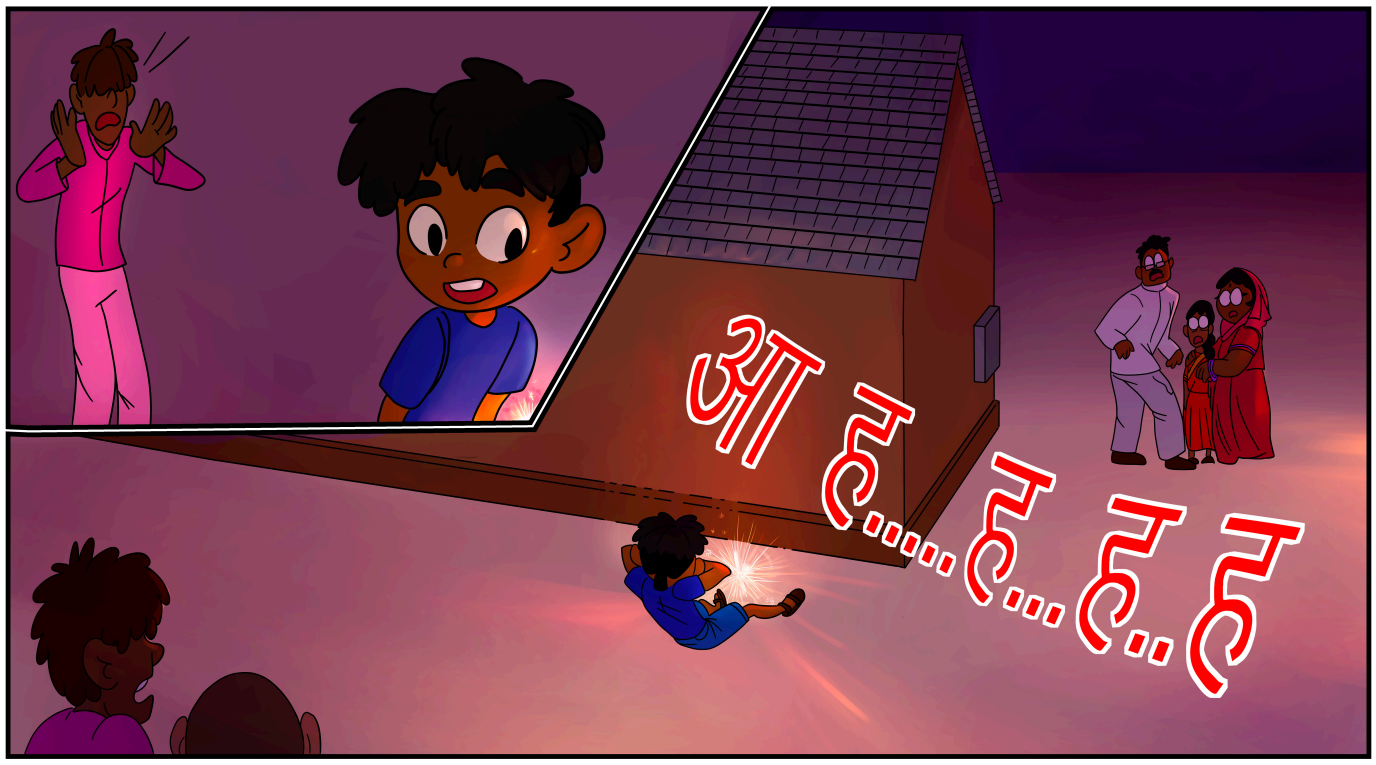
आ ह...ह...ह


आ आ ह ह ह ह


ओ हो बेचारा
मेरा प्यारा बच्चा।

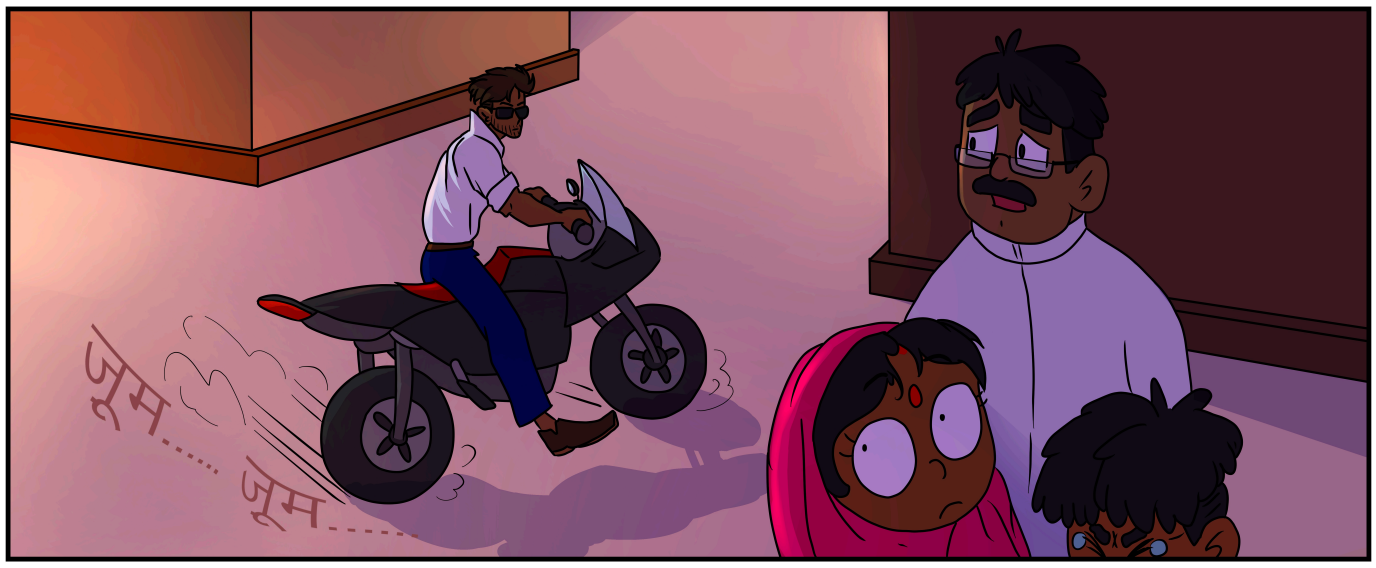
ज़ूम..... ज़ूम.....

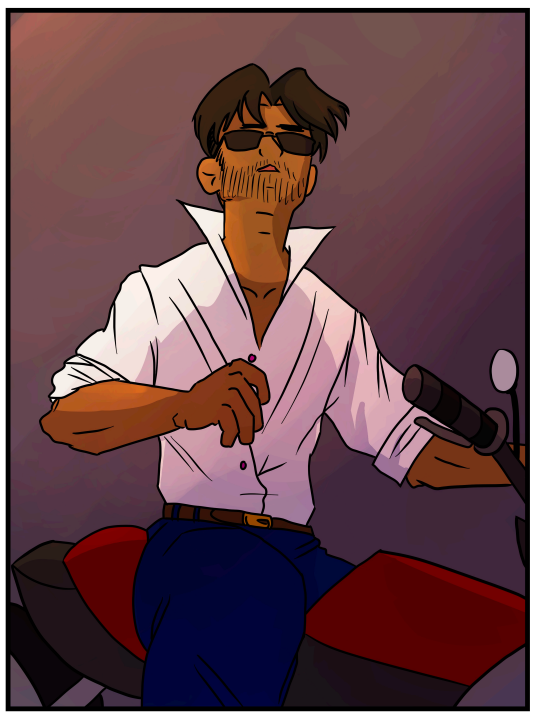

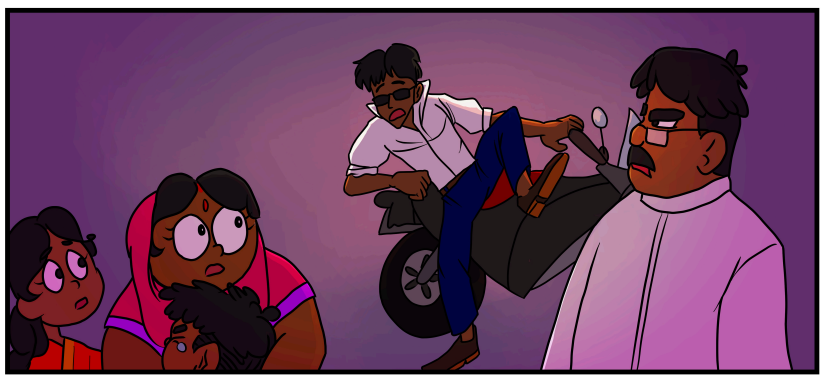


अब क्या तुम हमें और परेशान करने आये हो?


बहन
तुम किसी और समय पर भी आ सकते थे
तुम्हें भी यही वक्त मिला आने का, हमारी मुसीबत के वक्त।
सुनीता, मैं यहाँ अपनी गलती की माफी मांगने आया हूँ
मैं तुमसे विनती करता हूँ कि कृपा करके मुझे तुम्हारे बेटे को बचाने दो, मैं मदद करना चाहता हूँ।


क्या तुम उसे पकड़ कर मेरी बाइक पर बैठ सकते हो?
हाँ, मैं बैठ सकता हूँ।
फिर जल्दी चलो। उसे अस्पताल ले चलते हैं।


धड़ा.....क


माँ, वह कौन थे?
क्या वह हमारे मामा जी हैं जो हमारी मदद करने आये हैं?


आज से पहले उसने सिर्फ हमें दुःख ही दिया है।


उम्मीद करती हूँ कि उसकी नीयत इस बार ठीक हो।


तड़के सुबह का
समय दिवाली, दिन 2

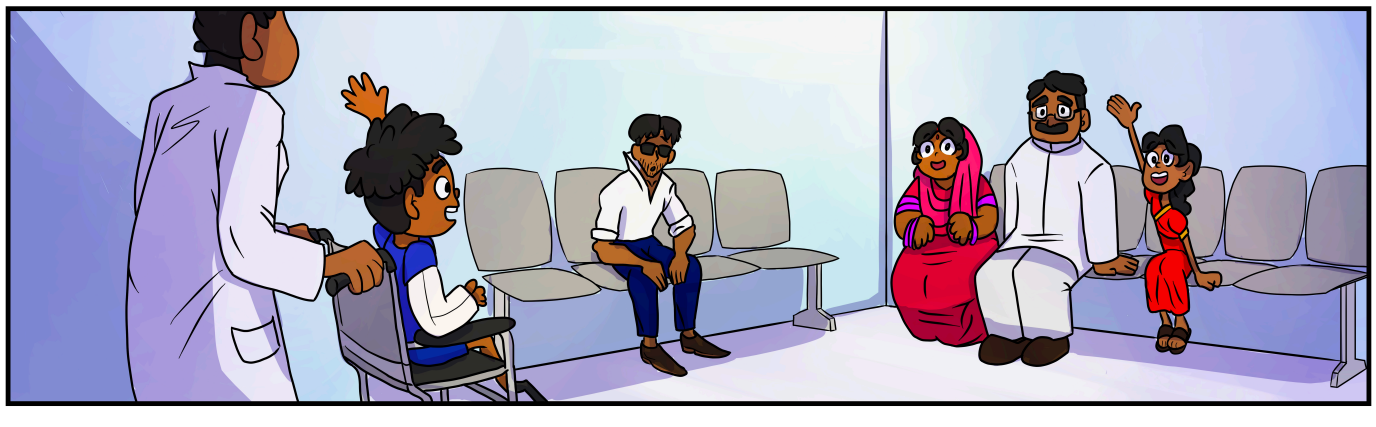

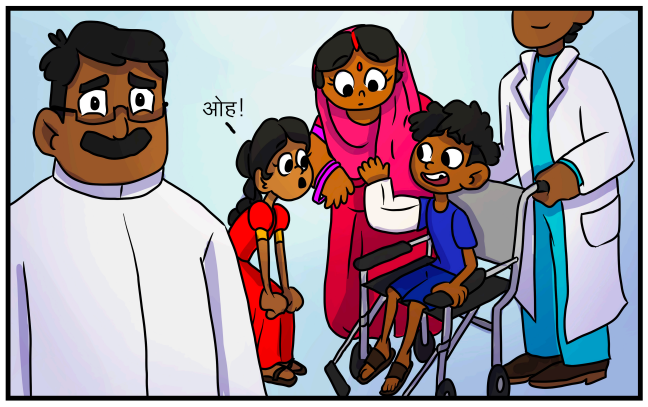
ओह!

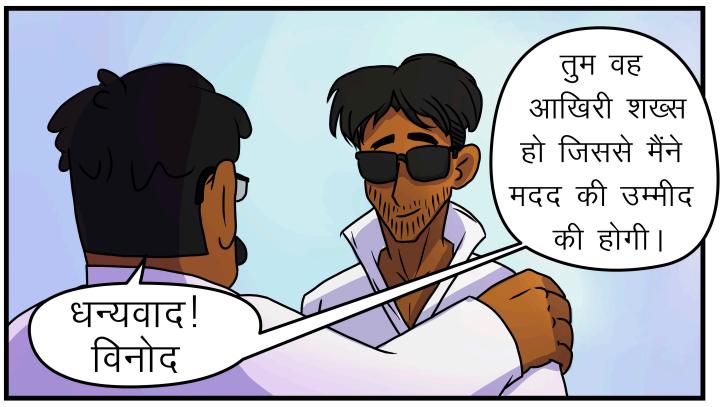
तुम वह आखिरी शख्स हो जिससे मैंने मदद की उम्मीद की होगी।
धन्यवाद! विनोद


SKIRK
SKIRK

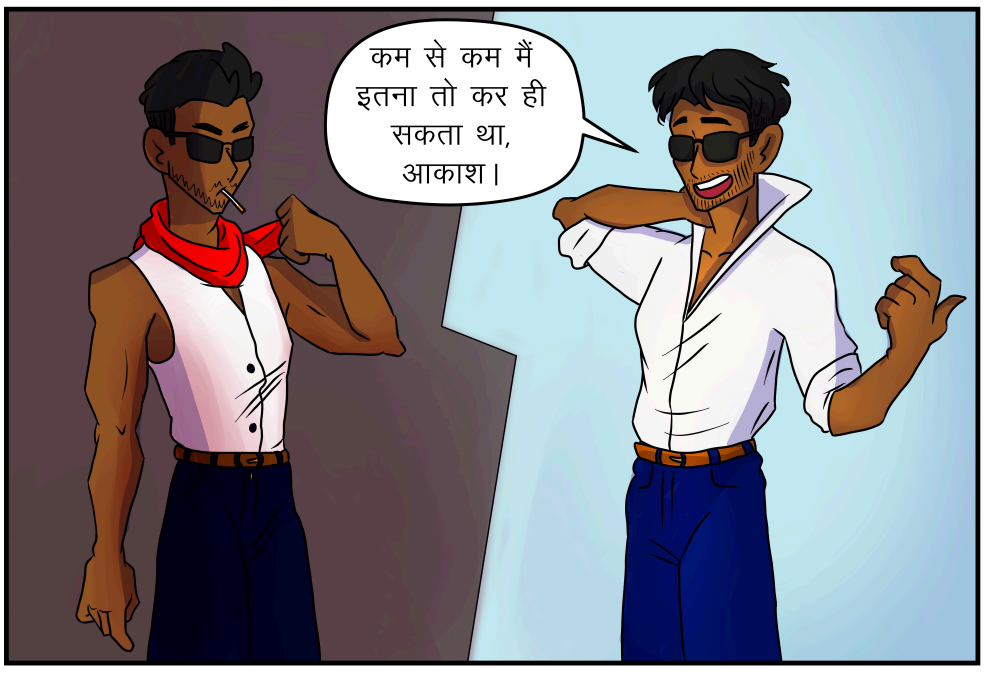
कम से कम मैं इतना तो कर ही सकता था, आकाश।


सुनीता .....मेरी बहन

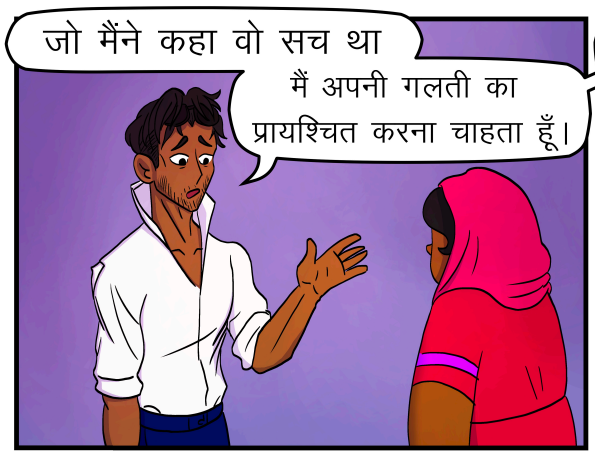
जो मैंने कहा वो सच था
मैं अपनी गलती का
प्रायश्चित करना चाहता हूँ।


क्या मैं आज रात
तुमसे बात कर सकता हूँ?

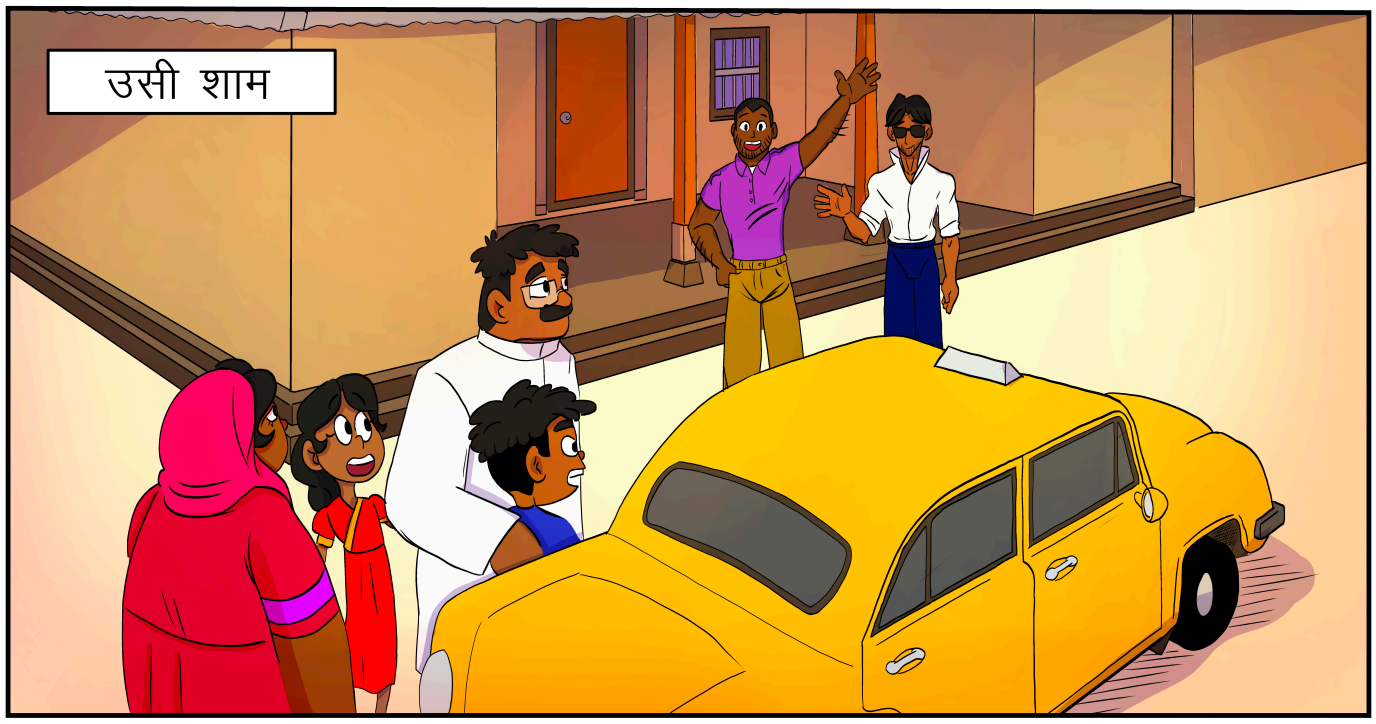
उसी शाम



आपने राजीव के इलाज के लिये अस्पताल का जो खर्च उठाया, इस एहसान को हम कैसे चुका सकते हैं?

यह मेरी तरफ से आपके लिये दिवाली का उपहार है। परमेश्वर ने मुझे सही समय पर वहां पर भेजा।

मैं खुश हूँ कि आपके बेटे को ज्यादा गंभीर चोटें नहीं लगी।

सच में। इससे भी ज्यादा कुछ बुरा हो सकता था।

बेटा तुम बिल्कुल ठीक हो जाओगे

अभी भी चोट में दर्द है।

तुम इतने सालों बाद क्यों आये? मेरी शादी में भी तुम नहीं आये। क्या तुम मेरे परिवार के लिये मुसीबत खड़ी करने आये हो?

मैं कुछ तोहफे देना चाहता था।

क्या तुमने इन तोहफों को ड्रग्स के पैसों से खरीदा है?

नहीं। मैंने ईमानदारी से कमाये हुए पैसों से ये तोहफे खरीदे हैं। मैंने पिछले पाँच सालों से ड्रग्स को छुआ तक नहीं।

मैं क्यों तुम पर भरोसा करूं?

मैं जानता हूँ मैं जानता हूँ

मुझे माफ कर दो। मैं अब बदल गया हूँ क्या तुम्हें नहीं लगता?

वह सच में बदल गया है। मैंने इसको नशे और गुंडागर्दी से निकलते देखा है।

उसने एक ऐसी जगह की तलाश में शहर छोड़ दिया जहां वह एक नयी शुरूआत कर सके, और हाल ही में ये इसकी मदद के लिए मुझे घन्यवाद कहने को वापस आया है।

और हाँ तुम सबके करीब आने के लिये। जब से यहां लौटा है सिर्फ तुम लोगों से मिलने की ही बात कर रहा है।


तुम्हारे घर का मन्दिर कहाँ है? मुझे तो तुम्हारे घर में एक भी नहीं दिखता।
हाँ। मैं येशू भक्त
हूँ और विनोद भी है।
आप दिवाली नहीं मनाते हैं क्या?
येशू भक्त का मतलब होता है येशू पर विश्वास करने वाला ।
येशू भक्त क्या होता है ?
हाँ, मैं दिवाली भी मनाता हूँ पर तुम्हारे जैसे नहीं।
सच में, मैं अन्धकार के ऊपर ज्योति की विजय मनाता हूँ, पर मैं कुछ अलग कारणों से यह मानता हूँ।
मैं तुम्हें बताता हूँ, येशू जी कौन हैं और क्यों मै उनका भक्त हूँ?
जब मैं जवान था, मेरी संगति गलत हो गयी थी और मैंने गुंडागर्दी और ड्रग्स लेना शुरू कर दिया था।
ये हमारे माँ–बाप की मृत्यु के बाद से शुरू हुआ।
मेरी बहन की जिम्मेदारी मेरे कंधों पर थी, लेकिन मुझे कोई भी अच्छी नौकरी नहीं मिल रही थी कि परिवार सम्भाल सकूँ।
हमारे पड़ोसी और रिश्तेदार हमारी हंसी उड़ाते थे। यह मेरे लिये बहुत मुश्किल था।

उससे भी बुरा तो तब हुआ जब तुमने कहा कि तुम किसी से प्यार करती हो जो तुम्हारे ऑफिस में काम करता है, और चाहे वह हमारी जाति का न भी हो तब भी तुम उससे ही शादी करोगी।

इसलिये मैं घर और तुमको छोड़ कर चला गया क्योंकि मैं दुःखी और अकेला था और जिन गुंडो के गिरोह में मैं मिल गया था उन्होंने मुझसे वायदा किया था कि मैं बहुत पैसा बनाऊँगा। लेकिन .....

मुझे माफ कर दो कि मैं तुमको छोड़कर चला गया।

पाँच साल पहले जो हुआ उससे मेरी पूरी ज़िन्दगी बदल गयी।

रोज़ मैं बस यही सोचता था कि तुम कैसी होगी।

मैं इधर उधर छुपता और पुलिस से भाग रहा था क्योंकि मैंने सुना था कि मुझे एनकाउन्टर में गोली मार देने का नोटिस जारी हुआ है।

उस समय गुरूजी मेरे पास आये और मुझे उस सद्गुरू येशु के बारे में बताया।

उन्होंने मुझे बताया कि कैसे परमेश्वर पिता ने अपने बेटे येशू जी को इस संसार में भेजा हमें पाप, मृत्यु और अंधकार से बचाने के लिये, और हमें ज्योति में लाने के लिये। वह सद्गुरू येशु जी हमारे पापों के लिये मरे, मुर्दों में से जी उठे और आज भी जीवित हैं ताकि प्रतिदिन हमारी सहायता करें एक सफल जीवन व्यतीत करने में जो हर तरह की बुराई पर विजयी हो पाये।



इसलिये मैंने अपने पापों और बुरे कामों से प्रायश्चित किया और येशु जी के द्वारा परमेश्वर की क्षमा प्राप्त की और सद्गुरू येशू जी के पीछे चलने का निर्णय लिया और अब मैं एक येशु भक्त हूँ।



मैंने यह जगह छोड़ दी ताकि एक नई जिंदगी की शुरूआत करूँ, और एक छोटा सा बिज़नेस शुरू किया जो अब ठीक–ठाक चल रहा है

जब मुझे मौका मिला कि दिवाली पर यहाँ वापस आऊँ तो मैंने बस यही चाहा कि तुमसे, अपनी बहन और उसके परिवार से मिलूँ और शायद अन्धकार के ऊपर ज्योति की विजय को तुम्हारे साथ मना सकूँ।

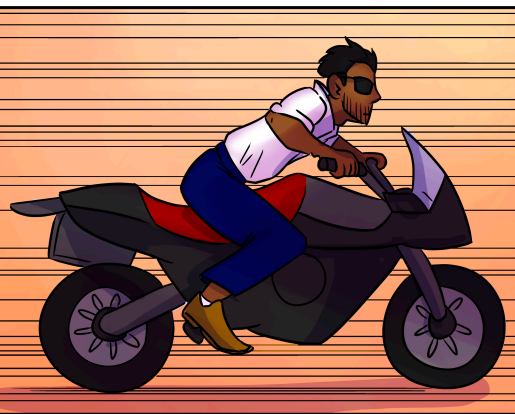

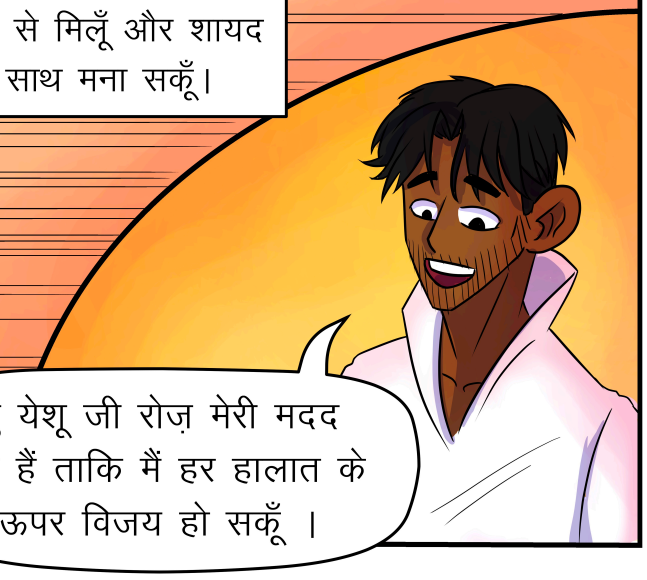

प्रभु येशू जी रोज़ मेरी मदद करते हैं ताकि मैं हर हालात के ऊपर विजय हो सकूँ ।

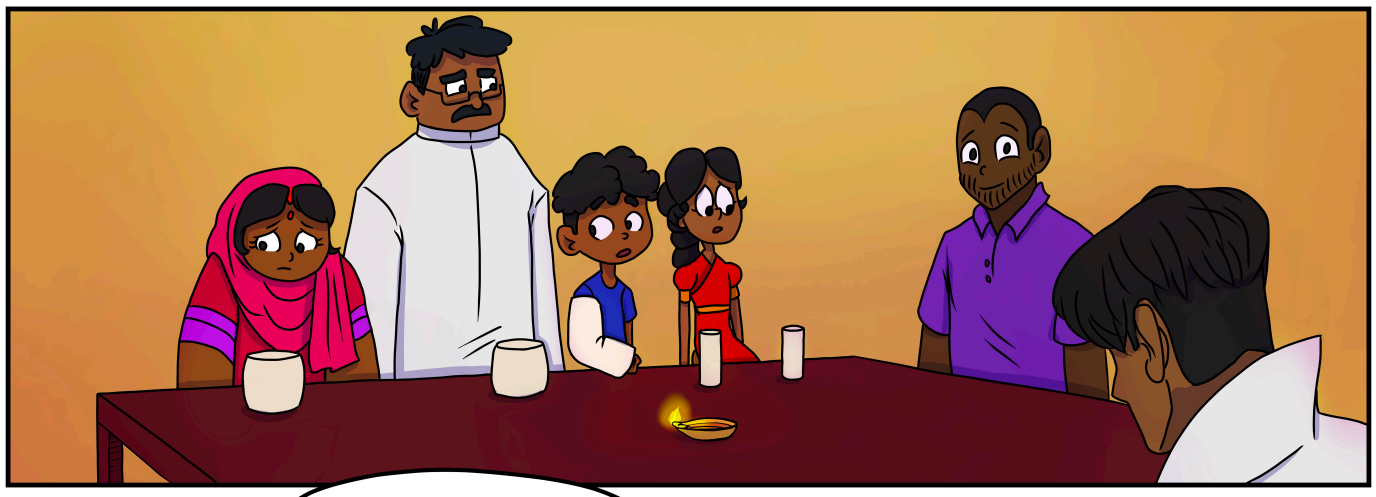


सुनीता, आकाश ! क्या तुम देखते हो कि मैं कैसे बदल गया? अब मैं पहले जैसा इंसान नहीं रहा क्योंकि येशु जी ने मुझे बचा लिया है।




मै.....
मैं विश्वास करना चाहती हूँ।


मामा जी क्या कोई ऐसा तरीका है जिससे येशु जी हमें शान्ति दे सकें?
हाँ, आओ हम प्रार्थना करें।


स्वर्गीय पिता! हम येशु जी के नाम के द्वारा आपसे मांगते हैं।
कि आप मेरी बहन के परिवार में आ जाऐं और अपनी शान्ति दें। धन्यवाद कि आपने मुझे मेरी बहन सुनीता से मिलाया जब उसको मेरी जरूरत थी। आपके नाम से मांगते हैं। तथास्तु

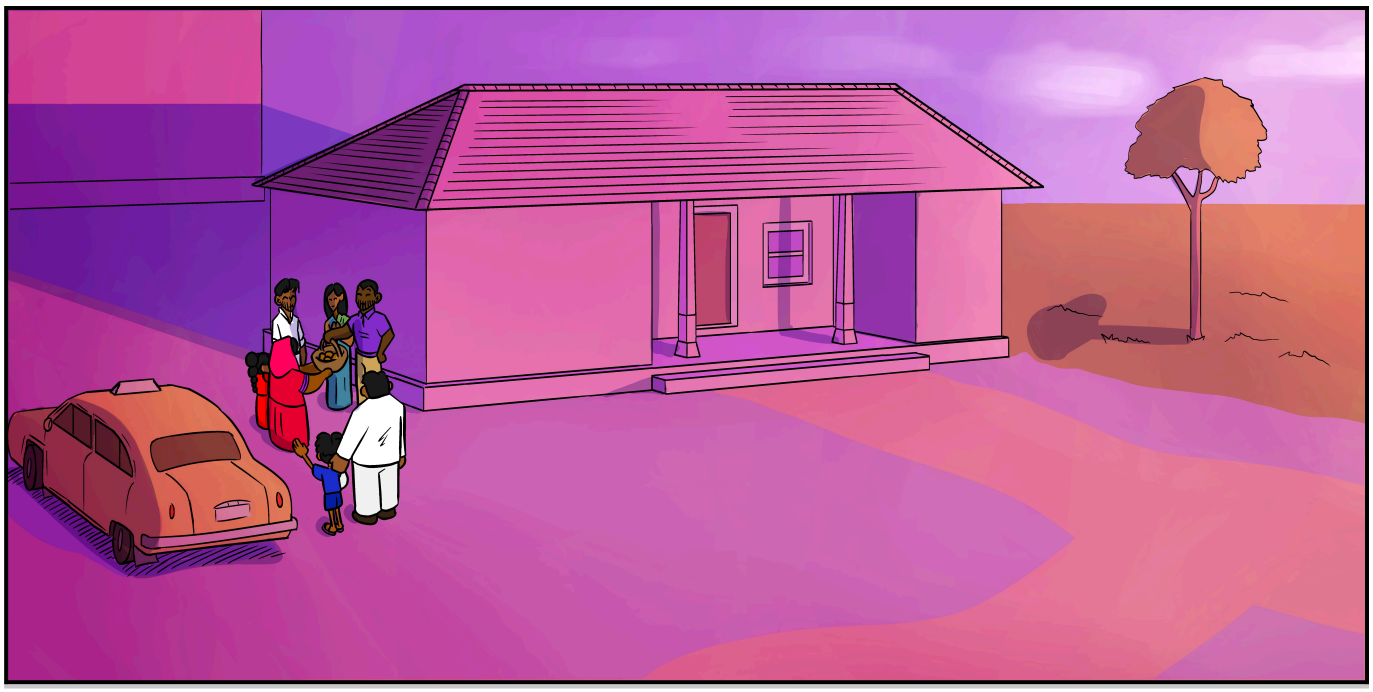


दिवाली की शुभकामनाएँ। मेरी कामना है कि आप इस दिवाली का उस तरह से आनन्द मनायें जैसे हम मनाते हैं।
काश! मेरे पास तुमको बदले में कुछ देने को होता।


सुनीता, मैं आशा करता हूँ कि अब तुम मुझे माफ कर सकती हो .....
विनोद, मैं तुमको माफ करती हूँ।
धन्यवाद सुनीता !
धन्यवाद विनोद
इतने सालो से मैं बस तुमको हमारे परिवार के लिये एक अभिशाप ही समझता रहा।
लेकिन अब तो तुम सच में हमारे परिवार के लिए एक आशीष की तरह हो। तुमने हमको एक ज्योति से भरा हुआ रास्ता बताया है लेकिन मैं प्रभु येशु जी की शिक्षाऐं और सुनना चाहूँगा।


यह तो बहुत ही अच्छी बात है।


यदि ..... यदि तुम चाहो तो मैं कल आकर येशु जी की शिक्षाऐं और अच्छे से बता सकता हूँ।
हाँ बिल्कुल अब हमारे घर में आपका स्वागत होगा कृपया आइये और हमारे साथ बड़ी दिवाली मनाइए।


हाँ यह दिवाली का तीसरा दिन है ऐसे ही तीसरे दिन येशु जी मुर्दों मे से जी उठे थे।


हा हा हा!
हा हा हा!
हा हा हा!



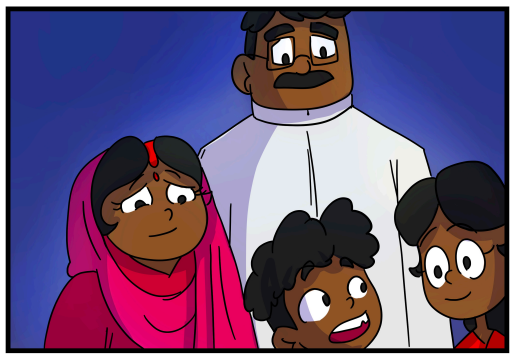

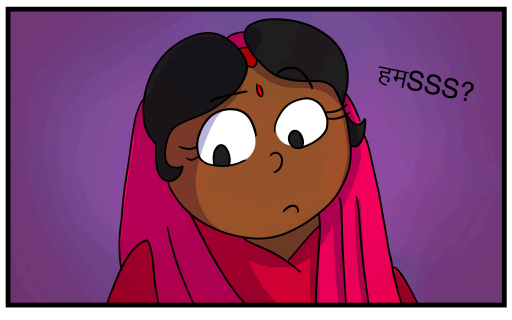
हमSSS?

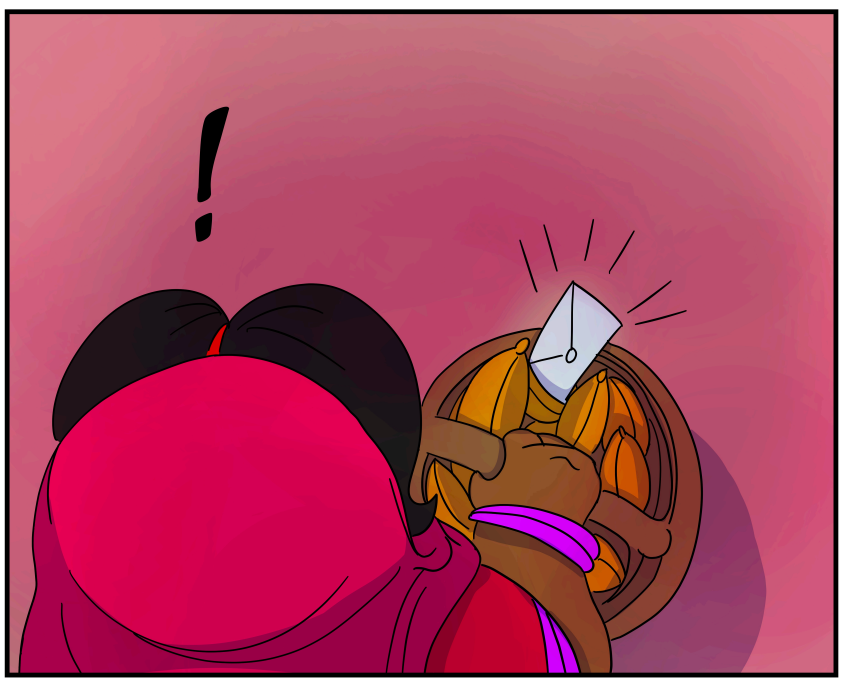
!

जब मैं प्रार्थना कर रहा था तो मुझे अगुवाई हुई कि येशु जी चाहते है कि मैं आपके बिजली का बिल चुकाने में मदद करूँ।

परमेश्वर तुमको आशीष दे विनोद।

कितनी अनोखी दिवाली रही हमारी परमेश्वर हमें अपनी ज्योति दिखाने आये।

परमेश्वर ने मुझे मेरा खोया हुआ भाई लौटा दिया!

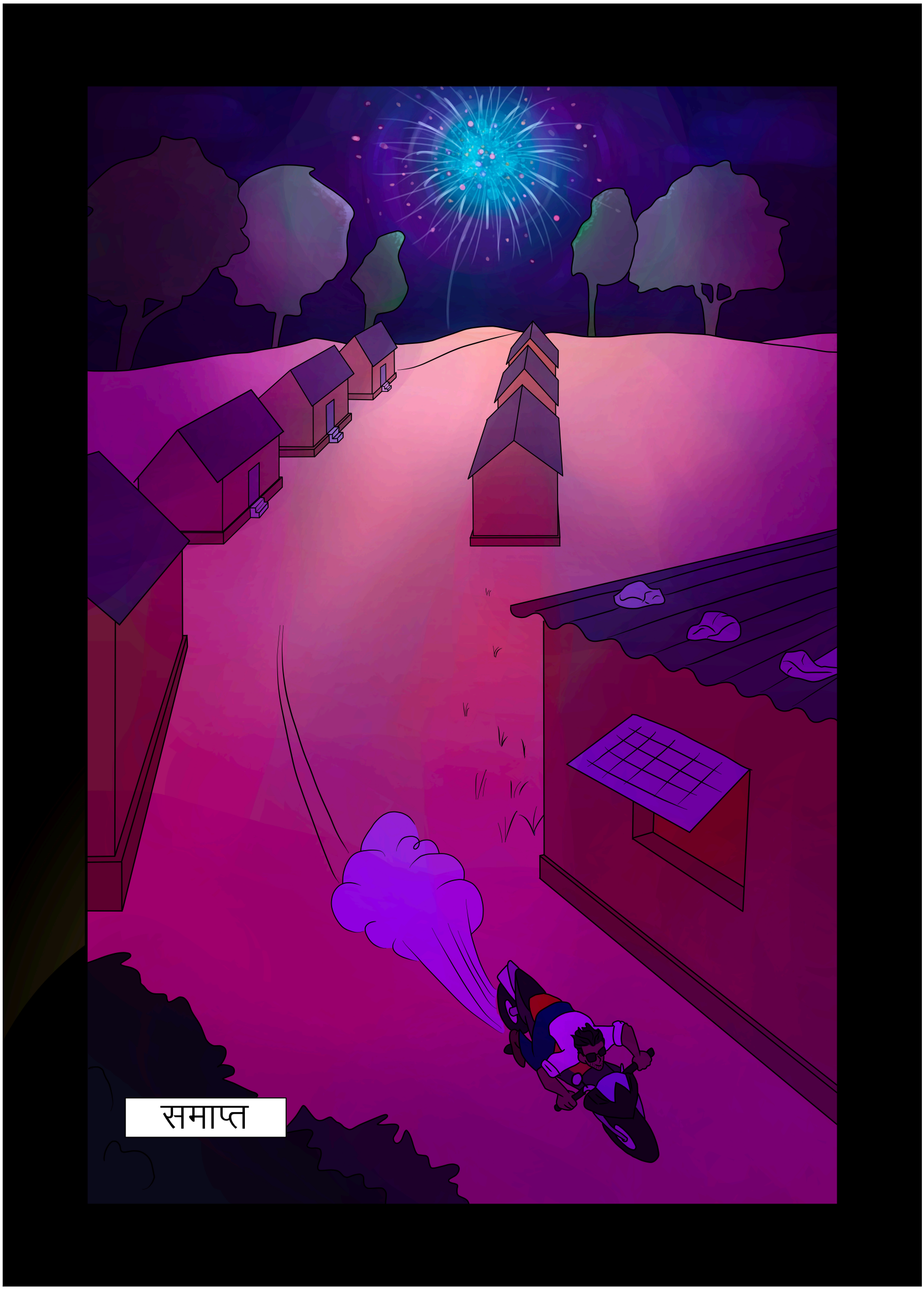
समाप्त